>

Title: Need to set up a F.M. Radio Station at Bharatpur, Rajasthan.

श्री रतन सिंह (भरतपुर): भरतपुर एक संभागीय मुख्यालय है। राजस्थान का पूर्वी सिंहद्वार है। इस भरतपुर की सीमा उत्तर प्रदेश, हरियाणा व मध्य प्रदेश से मिली हुई है। भरतपुर बृज आंचल का क्षेत्र है, जहां भगवान कृष्ण ने बाल लीलाएं की थीं। पूरे विश्व में सद्भाव, सदाचार और सह-अस्तित्व का संदेश दिया। आज भी भरतपुर बृज चौरासी कौस धाम की लीलाओं से ओत-प्रोत है। भरतपुर में विश्व प्रसिद्ध नेशनल केवलादेव पक्षी अभ्यारण्य स्थित है। प्रति वर्ष यहां लाखों की तादाद में सैलानी आते हैं। भरतपुर पर्यटन गोल्डन ट्राईएंगेल आगरा-भरतपुर-जयपुर के मध्य स्थित है। भरतपुर (बयाना) में द्वापर युग का महत्वपूर्ण किला जो वाणासुर के किले के नाम से विख्यात है, आज भी पूर्ण विस्तार से अपना महत्व बनाए हुए है। विश्व प्रसिद्ध डीग के जलमहल, फुलवारी एवं वैर के सफेद महल एवं फुलवारी तथा भरतपुर के प्राचीन स्थापत्य कला के मंदिर एवं इमारतें आज भी अपनी छठा बिखेर रही हैं। बृज अस्सी कोस धाम के मंदिरों और लीला स्थलों के दर्शन करने के लिए प्रतिवर्ष लाखों की तादाद में दर्शनार्थी आते हैं।

अब तक संभाग के किसी भी जिले में एफ.एम. रेडियो स्टेशन स्थापित नहीं किए गए हैं। जबकि अन्य कई छोटे-छोटे स्थानों पर एफ.एम. रेडियो की सुविधा स्थापित कर दी गई है। भरतपुर एफ.एम. रेडियो स्टेशन की स्थापना के लिए निर्धारित सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा करता है। यह स्थान बृज क्षेत्र की लोक संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है। किसानों, मजदूरों एवं अन्य सभी को मनोरंजन के साधन उपलब्ध नहीं है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि भरतपुर संभागीय मुख्यालय पर एफ.एम. रेडियो स्टेशन शीघ्र चालू किया जाए जिससे लोक संस्कृति एवं सभ्यता का पूरा-पूरा लाभ उठाएं एवं गरीब, मजदूर एवं किसान इस एफ.एम. सुविधा का लाभ उठा सके।